

पैनियम - संख्या सत्रह

वह बात और दर्शन: दानिय्येल की दो भविष्यवाणी रेखाएँ और प्रकाशितवाक्य की मुहर का खुलना

Jeff Pippenger

2026-02-22

18 जुलाई, 2020 को एक लाख चवालीस हज़ार के आंदोलन की प्रथम निराशा आ पहुँची। यह दानिय्येल अध्याय ग्यारह के पद चालीस के 'गुप्त इतिहास' के भीतर घटी। वह निराशा उस 'गुप्त इतिहास' के काफ़ी भीतर के चरण में घटी—एक ऐसा इतिहास जो 1989 में सोवियत संघ के पतन से आरंभ हुआ। पद इकतालीस संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका प्रतिनिधित्व इसी अध्याय के पद सोलह में भी किया गया है। वर्ष 2023 में, पद चालीस के 'गुप्त इतिहास' का निर्माण करने वाले सत्यों के 'मुद्राभेदन' को दानिय्येल द्वारा अध्याय बारह में प्रस्तुत किया गया है। अध्याय दस से बारह तक एक ही दर्शन का भाग हैं, और वह दर्शन इस प्रकार आरंभ होता है कि वह यह पहचान कराता है कि दानिय्येल उन 'बुद्धिमानों' का प्रतिनिधित्व करता है जो भविष्यवाणी के आंतरिक और बाह्य दोनों संदेशों को समझते हैं, जिन्हें वहाँ 'वस्तु' और 'दर्शन' के रूप में निरूपित किया गया है।

फारस के राजा कूरेश के राज्य के तीसरे वर्ष में दानिय्येल पर, जिसका नाम बेल्लशस्सर रखा गया था, एक बात प्रकट की गई; और वह बात सत्य थी, परन्तु उसके लिये ठहराया गया समय दीर्घ था; और उसने उस बात को समझ लिया, और उसे उस दर्शन की समझ प्राप्त हुई। दानिय्येल 10:1।

दो दर्शन

"thing" और "vision" भविष्यवाणी के आन्तरिक और बाह्य दर्शनों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और दानिय्येल ऐसी प्रजा का प्रतिनिधित्व करता है जो दोनों को समझती है, क्योंकि अध्याय दस में "thing" और "vision" दोनों ही दानिय्येल पर "प्रकट" हुए थे। उसी अध्याय में, बाईसवें दिन, पवित्रस्थान में मसीह के दर्शन दानिय्येल पर "प्रकट" हुआ। "thing" के रूप में अनुवादित इब्रानी शब्द अध्याय नौ में "matter" के रूप में अनुवादित है, और वहाँ उसे "vision" के साथ संबंध में भी प्रस्तुत किया गया है।

तेरी प्रार्थनाओं के आरम्भ ही में आज्ञा निकली, और मैं तुझे बताने आया हूँ; क्योंकि तू अत्यन्त प्रिय है; इसलिए इस विषय को समझ, और इस दर्शन पर विचार कर। दानिय्येल 9:23.

अध्याय 10 में "thing" शब्द वही शब्द है जिसे अध्याय 9 के पद 23 में "matter" के रूप में अनुवादित किया गया है। दानिय्येल की अंतिम "vision" (अध्याय 10 से 12) में, अध्याय 11 का "thing" अथवा अध्याय 10 का "matter"—दोनों ही "the vision" से संबद्ध हैं। "the vision" के लिए इब्रानी शब्द "mareh" है, और उसका अर्थ "प्राकट्य" है। दानिय्येल अपनी पुस्तक में दो "visions" को चिन्हित करता है; तथापि उन दो "visions" में से एक को कभी स्त्रीलिंग में और फिर पुनः पुल्लिंग में प्रस्तुत किया गया है। दानिय्येल अध्याय 10 के पद 1 में उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो "प्राकट्य" की "vision" को, और साथ ही "matter" अथवा "thing" को समझते हैं। अध्याय 8 में दानिय्येल दो "visions" को चिन्हित करता है जो परस्पर संबद्ध हैं। अंग्रेज़ी में उस अध्याय में "vision" शब्द आठ बार पाया जाता है, और "vision" के रूप में अनूदित इब्रानी शब्दों में से एक "mareh" है, और दूसरा "chazon"। "mareh" का अर्थ "प्राकट्य" है, और "chazon" का अर्थ "एक स्वप्न, एक प्रकाशन, या एक दैवी वाणी" है। अध्याय 8 का संदर्भ यह स्थापित करता है कि जब "mareh" शब्द का अनुवाद "vision" के रूप में किया जाता है, तब वह "मसीह के प्राकट्य" का द्योतक होता है।

उदाहरण के लिए, दानिय्येल 8:14 में यह "मारेह" अथवा "रूप का दर्शन" है, जिसका अर्थ यह है कि 22 अक्टूबर, 1844 को मसीह मलाकी अध्याय तीन के "वाचा के दूत" की पूर्ति में मंदिर में अकस्मात् प्रकट होंगे, जिसे बहन वाइट

ने 22 अक्टूबर, 1844 को पूरा हुआ कहा। जब बहन वाइट यह निरूपित करती हैं कि प्रकाशितवाक्य 10 का वह स्वर्गदूत, जो उतरा और एक पाँव भूमि पर तथा एक पाँव समुद्र पर रखा, "स्वयं यीशु मसीह से कम कोई व्यक्तित्व नहीं था," तब वे भविष्यवाणी में उस मार्गचिह्न की पहचान कर रही थीं जहाँ मसीह प्रकट होते हैं। यह उनके अनेक प्रगटनों में से एक है। यहूदा के अनुसार, वे मूसा के पुनरुत्थान के समय प्रकट हुए। वहाँ वे महादूत मीकाएल के रूप में प्रकट हुए, तथापि वह एक भविष्यसूचक प्रगटन ही था। अध्याय आठ में "मारेह" के दर्शन का अनुवाद भी उसके अर्थ के अनुरूप "रूप" के रूप में किया गया है।

और ऐसा हुआ कि जब मैं, अर्थात् मैं दानिय्येल, दर्शन देख चुका था और उसके अर्थ की खोज कर रहा था, तब देखो, मेरे सामने मनुष्य के रूप के समान कोई खड़ा था। दानिय्येल 8:15.

यहाँ का संदर्भ यह दर्शाता है कि 'मनुष्य के समान रूप' वाला दूत गब्रिएल था; और 'रूप' शब्द 'मारेह' दर्शन में मसीह के रूप-दर्शन को सूचित करता है। क्योंकि जिस प्रकार मसीह का प्रतिनिधित्व महादूत मीकाएल द्वारा, तथा प्रकाशितवाक्य अध्याय दस के पराक्रमी स्वर्गदूत द्वारा किया गया है, उसी प्रकार भविष्यवाणी-संबंधी प्रतीकवाद में मसीह को स्वर्गदूतों के, और यहाँ तक कि मनुष्यों के, प्रतीकों के साथ अदल-बदलकर निरूपित किया जाता है। चाहे उस पद में गब्रिएल हो, या प्रकाशितवाक्य दस में मसीह, या महादूत मीकाएल के रूप में—इनमें से प्रत्येक एक सन्देश का प्रतिनिधित्व करता है; और इसी कारण बहन वाइट प्रकाशितवाक्य के स्वर्गदूतों की तुलना उन सन्देशों से भी करती हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, और उन लोगों से भी जो स्वर्गदूतों द्वारा प्रतीकित उस सन्देश का प्रचार करते हैं। यह सत्य इतना महत्त्वपूर्ण है कि प्रकाशितवाक्य अध्याय एक की पहली तीन आयतों में—वही तीन आयतें जो यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य की मुहर के खुलने की घोषणा करती हैं, अनुग्रहकाल के बन्द होने से ठीक पूर्व, क्योंकि "समय निकट है"—परमेश्वर से मनुष्य तक के संचार-क्रम को विशिष्ट रूप से इस प्रकार पहचाना गया है: एक सन्देश जो पिता से निकलकर पुत्र को दिया गया, फिर पुत्र ने वह सन्देश एक स्वर्गदूत को दिया, वह स्वर्गदूत उसे एक मनुष्य के पास ले गया, और वह मनुष्य आगे उसे कलीसियाओं को भेजता है। इस संचार-क्रम का प्रत्येक सोपान पवित्र और पावन है, और वही पवित्रीकृत पवित्रता उन भविष्यसूचक मार्गचिह्नों पर प्रतिनिधित्वित होती है जहाँ मसीह स्वयं के रूप में, अथवा किसी स्वर्गदूत, मनुष्य, या सन्देश के माध्यम से प्रकट होते हैं। जब वह किसी मार्गचिह्न पर स्वयं को प्रत्यक्ष रूप से उससे सम्बद्ध करते हैं, तो वह 'मारेह' 'रूप-दर्शन' होता है।

यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, जो परमेश्वर ने उसे दिया, ताकि वह अपने दासों को वे बातें दिखाए जो शीघ्र होने वाली हैं; और उसने इसे अपने स्वर्गदूत के द्वारा अपने दास यूहन्ना के पास भेजकर संकेतों के द्वारा प्रगट किया: जिसने परमेश्वर के वचन, और यीशु मसीह की गवाही, और जो कुछ उसने देखा, उन सब की साक्षी दी। धन्य है वह जो पढ़ता है, और वे जो इस भविष्यवाणी के वचनों को सुनते हैं, और उसमें लिखी हुई बातों का पालन करते हैं; क्योंकि समय निकट है। ... और उसने मुझसे कहा, इस पुस्तक की भविष्यवाणी के वचनों को मुहरबंद न कर; क्योंकि समय निकट है। जो अधर्मी है, वह अब भी अधर्मी बना रहे; और जो अशुद्ध है, वह अब भी अशुद्ध बना रहे; और जो धर्मी है, वह अब भी धर्मी बना रहे; और जो पवित्र है, वह अब भी पवित्र बना रहे। प्रकाशितवाक्य 1:1-3; 22:10, 11.

आठवें अध्याय में, "chazon" वह दूसरा इब्रानी शब्द है जिसका अनुवाद "दर्शन" के रूप में किया गया है। "रूप" के संदर्भ में, "marah" दर्शन एक पथ-चिह्न की पहचान करता है, और "chazon" दर्शन एक भविष्यवाणी-काल की पहचान करता है। आठवें अध्याय में "दर्शन" के रूप में अनूदित इन दो शब्दों में दैवीय सममिति है, इस अर्थ में कि इब्रानी शब्द "mareh" का प्रयोग दानिय्येल उसके स्त्रीलिंग रूप "marah" में भी करता है। "chazon" के संदर्भ में दानिय्येल इसे दो प्रकार से निरूपित करता है; परन्तु पुल्लिंग और स्त्रीलिंग की विपरीतता के द्वारा नहीं, बल्कि दो ऐसे शब्दों से जो वही अर्थ निरूपित करते हैं, और ऐसा करते हुए वे गुणोत्तर रूप से विस्तार करते हैं।

Chazon का अर्थ "दर्शन", "दैवी उक्ति" या "भविष्यवाणी" है, और जो शब्द अंग्रेजी में "matter" या "thing" के रूप में अनूदित किया जाता है, वह इब्रानी शब्द "dabar" है, जिसका अर्थ "वचन" है। जब यह समझा जाता है कि "chazon" का दर्शन दानिएल द्वारा "dabar" शब्द से भी अभिव्यक्त किया गया है, तब ये दोनों मिलकर

परमेश्वर के वचन के भविष्यसूचक संदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दानिएल सदैव "dabar" या "chazon" को "mareh" के विपरीत रखता है। जब भविष्यसूचक स्तर पर विचार किया जाता है, तो "dabar" और "chazon" द्वारा निरूपित "परमेश्वर के वचन के भविष्यसूचक संदेश", जब मसीह के प्रकट होने के "marah" दर्शन के साथ संयुक्त किए जाते हैं, तब परमेश्वर के वचन के भविष्यसूचक इतिहास के पवित्र मार्गचिह्न प्राप्त होते हैं। फिर यदि आप "mareh" शब्द के स्त्रीलिंग रूप "marah" को दानिएल में दर्शन के अर्थ-श्रेणी में जोड़ दें, तो आपके पास विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए जाने का दर्पणवत् दर्शन होता है।

दानियेल के अंतिम दर्शन में (जो उसकी पुस्तक के अंतिम तीन अध्यायों द्वारा निरूपित है), दानियेल अंतिम दिनों में एक ऐसी प्रजा का प्रतिनिधित्व करता है जो "परमेश्वर के वचन" के "भविष्यवाणीपूर्ण दर्शनों" को, और उन पवित्र मार्गचिह्नों की पवित्रता को समझती है जो एक लाख चवालीस हजार के सुधारात्मक आन्दोलन का गठन करते हैं; क्योंकि वे वही हैं जो उसके पवित्र भविष्यवाणीपूर्ण वचन में, जहाँ कहीं मेम्ना जाता है, उसका अनुसरण करते हैं। मेम्ने का अनुसरण करते हुए, वह उन्हें दानियेल 10:7 के दर्पणवत् दर्शन तक ले जाता है, जहाँ वे या तो भ्रम के अधीन छिपने के लिए भागते हैं, जहाँ वे अनन्तकाल के लिए दफन कर दिए जाते हैं, या वे धूल में दीन किए जाते हैं, धर्मी ठहराए जाते हैं, और अंतिम दिनों का भविष्यवाणीपूर्ण संदेश देने के लिए उन्हें सामर्थ्य प्रदान किया जाता है।

गब्रिएल दानियेल को "विषय" और "दर्शन" दोनों को "समझने" की आज्ञा देता है। "समझना" के रूप में अनूदित इब्रानी शब्द का अर्थ "बुद्धि में भेद करना" है। दानियेल, जो, हे प्रिय पाठक, हम दोनों का प्रतिनिधित्व करता है, को "विषय" और "दर्शन" के बीच के अंतर और विभेद को समझने की आज्ञा दी गई थी। chazon दर्शन भविष्यवाणी के इतिहास की बाह्य रेखा का प्रतिनिधित्व करता है और mareh दर्शन मसीह के प्राकट्य का प्रतिनिधित्व करता है। "विषय" और "वस्तु"—दोनों का मूल इब्रानी "दबार" है, जिसका अर्थ "वचन" है। यीशु "दबार" हैं, क्योंकि वे ही "वचन" हैं। "वस्तु" और "विषय", दोनों ही "दबार" होते हुए, प्राकट्य के दर्शन के साथ संबंध में प्रस्तुत किए गए हैं।

dabar, जो विषय और वस्तु है, वह अध्याय आठ का chazon दर्शन भी है, और वह भविष्यवाणी-इतिहास के दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है। इन निरूपणों (chazon, dabar, विषय और वस्तु) में से प्रत्येक भविष्यवाणी की बाह्य रेखा को निर्दिष्ट करता है, और mareh तथा उसका स्त्रीलिंगी रूप marah, भविष्यवाणी की आंतरिक रेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं। परमेश्वर के अंतकालीन लोग, जिनका निरूपण दानियेल दस के पद एक में किया गया है, भविष्यवाणी-इतिहास की आंतरिक और बाह्य दोनों रेखाओं को समझते हैं। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में आंतरिक रेखा का निरूपण सात कलीसियाओं द्वारा, और बाह्य रेखा का निरूपण सात मुहरों द्वारा किया गया है।

इक्कीस दिन के उपवास के बाद जब दानियेल ने मसीह का दर्शन देखा, तब उसने "mareh" दर्शन का स्त्रीलिंग रूप देखा। "mareh" का अर्थ "प्रकट रूप" है, और जब दानियेल ने मसीह को देखा, तब उसने "marah" दर्शन देखा; और यद्यपि "mareh" का अर्थ प्रकट रूप है, उसी शब्द के स्त्रीलिंग रूप का अर्थ "दर्पण" होता है। बहन व्हाइट हमें बताती हैं कि दानियेल ने जो दर्शन देखा, वही दर्शन यूहन्ना ने भी देखा, और यूहन्ना ने वह दर्शन तब देखा जब मसीह स्वर्गीय पवित्रस्थान में थे।

"गैब्रियल के आगमन के समय, नबी दानियेल आगे की शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ था; परंतु कुछ वर्षों बाद, उन विषयों के बारे में, जो अभी तक पूरी तरह समझाए नहीं गए थे, अधिक जानने की इच्छा से, उसने फिर से परमेश्वर से प्रकाश और बुद्धि मांगने का निश्चय किया। 'उन दिनों में, दानियेल, तीन पूरे सप्ताह शोक करता रहा। मैंने कोई स्वादिष्ट रोटी नहीं खाई, न मांस और न ही दाखरस मेरे मुंह में गई, और मैंने तन पर बिलकुल तेल भी नहीं लगाया.... तब मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, और क्या देखता हूँ, सन के वस्त्र पहने एक व्यक्ति खड़ा था, जिसकी कमर ऊफाज़ के उत्तम सोने से कसी हुई थी। उसका शरीर भी बेरिल के समान था, उसका मुख बिजली की चमक के समान, और उसकी आँखें आग के दीपकों के समान; और उसकी भुजाएँ और उसके पाँव रंग में चमकाए हुए पीतल के समान थे; और उसके वचनों की आवाज़ बहुतों की आवाज़ के समान थी।'"

स्वयं परमेश्वर का पुत्र ही दानिय्येल के सामने प्रकट हुआ। यह वर्णन वैसा ही है जैसा यूहन्ना ने दिया था, जब पटमोस के द्वीप पर मसीह उसे प्रकट हुए थे। अब हमारे प्रभु एक अन्य स्वर्गदूत के साथ आते हैं ताकि दानिय्येल को सिखाएँ कि अंतिम दिनों में क्या घटित होगा। यह ज्ञान दानिय्येल को दिया गया और प्रेरणा से हमारे लिए लिपिबद्ध किया गया, हम जिन पर संसार का अंत आ पहुँचा है।

जगत के उद्धारकर्ता द्वारा प्रकट किए गए महान सत्य उन लोगों के लिए हैं जो सत्य की खोज छिपे हुए खज़ानों की खोज के समान करते हैं। दानिय्येल एक वयोवृद्ध पुरुष था। उसका जीवन एक मूर्तिपूजक राजदरबार के आकर्षणों के बीच बीता था, उसका मन एक महान साम्राज्य के राज्यकार्यों से बोझिल था; तथापि वह इन सब से अलग होकर परमेश्वर के सम्मुख अपनी आत्मा को दीन करता है और परमप्रधान के अभिप्रायों के ज्ञान की खोज करता है। और उसकी विनितियों के प्रत्युत्तर में, स्वर्गीय दरबारों से उन लोगों के लिए प्रकाश प्रेषित किया गया जो उत्तरकाल में जीवित रहेंगे। तो फिर, हमें कितनी गंभीरता से परमेश्वर की खोज करनी चाहिए, ताकि वह हमारी समझ को खोल दे और हम स्वर्ग से हमारे पास लाए गए सत्यों को समझ सकें। रिच्यू एंड हेराल्ड, 8 फ़रवरी, 1881।

एक लाख चवालीस हज़ार

दानिय्येल 'विषय' और 'दर्शन' को समझता है, और उसकी पहचान दानिय्येल के साथ-साथ बेल्लशअस्सर के रूप में भी की गई है। भविष्यवाणी में नाम का परिवर्तन एक वाचा-सम्बन्ध का प्रतिनिधित्व करता है; अतः दानिय्येल अन्तिम वाचा-जन का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक लाख चवालीस हज़ार हैं, जिन्हें मन्दिर में मसीह के दर्शन द्वारा परखा जाता है। वह परीक्षा उपासकों की दो श्रेणियों का पृथक्करण कराती है।

और मैं, दानिय्येल, अकेला उस दर्शन को देखता रहा; क्योंकि जो पुरुष मेरे साथ थे, उन्होंने उस दर्शन को नहीं देखा; परन्तु उन पर बड़ी थरथराहट आ पड़ी, अतएव वे अपने आप को छिपाने के लिए भाग गए। दानिय्येल 10:7.

दानिय्येल प्रत्यक्षतः परमेश्वर की अन्त्यकालीन प्रजा से संबंधित दूसरी तथा मन्दिर-परीक्षा को चिन्हित कर रहा है; एक ऐसी परीक्षा जिसका आधार स्वर्गीय पवित्रस्थान में मसीह का दर्शन है। पद सात का दर्शन mareh दर्शन का स्त्रीलिंग रूप है, जो marah दर्शन के रूप में निरूपित है। यदि आप मन्दिर में मसीह के दर्शन के प्रति, जैसा कि दानिय्येल की प्रतिक्रिया द्वारा निरूपित है, उसी प्रकार प्रतिक्रिया देते हैं, तो भविष्यवाणी की "वस्तु" और भविष्यवाणी का "दर्शन" आपको "प्रकट" किए जाएँगे।

यदि आप उसी मसीह के मन्दिर-दर्शन का सामना भागकर छिपने से करते हैं, तो आप अनन्त अन्धकार में चले जाते हैं। मन्दिर की परीक्षा, जो अनन्त सुसमाचार के तीन चरणों में दूसरी परीक्षा है, उससे पूर्व प्रथम और आधारभूत परीक्षा आती है। नीवों की परीक्षा का प्रश्न दानिय्येल ग्यारह के चौदहवें पद में निरूपित है, जहाँ रोम का चित्रण 'तेरे लोगों के डाकू' के रूप में किया गया है, जो 'दर्शन' को स्थापित करता है।

समय निकट है

18 जुलाई, 2020 की निराशा के साढ़े तीन दिन बाद, 31 दिसंबर, 2023 को यीशु मसीह के प्रकाशन की मुहरें खुलनी प्रारम्भ हुईं, क्योंकि 'समय निकट था'।

धन्य है वह जो पढ़ता है, और वे जो इस भविष्यवाणी के वचनों को सुनते हैं, और उसमें लिखी बातों का पालन करते हैं: क्योंकि समय निकट है। ... और उसने मुझसे कहा, इस पुस्तक की भविष्यवाणी की बातों को मुहरबंद न कर: क्योंकि समय निकट है। प्रकाशितवाक्य 1:3; 22:10.

यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य की मुहर के खुलने को चिन्हित करने वाले "समय" का उल्लेख प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के आरम्भ में किया गया है; और पुस्तक के अन्त में वही उद्घोषणा अल्फा-वक्तव्य में ओमेगा-वक्तव्य जोड़ती

है।

अनुग्रह का समय समाप्त होने से ठीक पहले यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य अमोहरित किया जाता है। इक्कीस दिनों के उपवास के पश्चात, बाईसवें दिन, वह “वस्तु,” जो “विषय” भी है, जो “दबर” (dabar) अर्थात् “वचन” भी है, जो बाह्य भविष्यवाणीगत इतिहास का “हाज़ोन” (chazon) दर्शन भी है, दानिय्येल को प्रकट किया गया, जब उसने परमपवित्र स्थान में स्वर्गीय महायाजक का दर्पणवत् “माराह” (marah) दर्शन अनुभव किया।

दानिय्येल उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें दर्पणवत् दर्शन का अनुभव है, और जो मसीह के भविष्यवाणीगत प्राकट्यों को तथा chazon दर्शन द्वारा निरूपित बाह्य इतिहास को भी समझते हैं। marah दर्शन मसीह को एक भविष्यवाणीगत मार्गचिह्न के रूप में निरूपित करता है, और उसी शब्द का स्त्रीलिंग उस अनुभव का प्रतिनिधित्व करता है जो परमेश्वर की महिमा का दर्शन करने से उत्पन्न होता है, जैसा कि दानिय्येल, यूहन्ना, यशायाह, सिस्टर वाइट और अन्य भविष्यद्वक्ताओं द्वारा निरूपित है।

इस स्तर पर chazon बाह्य दर्शन आधारभूत परीक्षण का प्रतिनिधित्व करता है, और भविष्यवाणी के घटनाक्रम में मसीह की प्रकटियों का marah दर्शन मंदिर-परीक्षण है। क्या आपके अपने पवित्रतम स्थान के भीतर के पवित्रतम स्थान में मसीह प्रकट हुआ है? वहीं दैवीत्व मनुष्यता से संयुक्त होता है। यह वह परीक्षण है जिसे, लिटमस कसौटी पर अनुग्रहकाल के समाप्त होने से पहले, उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। चरित्र को प्रकट करने वाली लिटमस कसौटी marah दर्पण-दर्शन है।

31 दिसंबर, 2023 को पद चौदह के ‘तेरी प्रजा के लुटेरे’ के विषय में नींव की बाह्य परीक्षा आरम्भ हुई, और जब वर्तमान पोप का 8 मई, 2025 को पदग्रहण हुआ, तब पद चौदह का ‘दर्शन’ स्थापित हुआ। नींव की परीक्षा मंदिर की परीक्षा में स्थानांतरित हो गई। 9 मई, 2025 से मंदिर की परीक्षा चल रही है। 31 दिसंबर, 2023 को दो साक्षियों का पुनरुत्थान, प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के पद ग्यारह में निरूपित था, और जो पुनरुत्थान उस तिथि को आरम्भ हुआ, वह 2014 में आरम्भ होकर 2022 में तीव्र होने वाले यूक्रेन युद्ध की अवधि के भीतर घटित हुआ। उस इतिहास में भविष्यवाणी की बाह्य और आंतरिक रेखाएँ एक साथ आ मिलीं। 31 दिसंबर, 2023 को नींव रखने का कार्य चल रहा था, जो कार्य 1798 से 1840 तक के इतिहास, 1840 से 1844 तक के इतिहास, और 19 अप्रैल, 1844 से 22 अक्टूबर, 1844 तक के इतिहास द्वारा प्रतिरूपित है।

दानिय्येल अध्याय 11, पद 11 इतिहास में भविष्यवाणी की बाह्य रेखा के रूप में उपस्थित हुआ और उसी इतिहास से सम्बद्ध हो गया जो प्रकाशितवाक्य अध्याय 11 की आन्तरिक रेखा है। सन् 2014 में यूक्रेनी युद्ध आरम्भ हुआ, जिसका प्रतिरूप 217 ईसा पूर्व राफिया के युद्ध में दृष्ट होता है। सन् 2015 में, दानिय्येल 11 के पद 2 का चौथा और कहीं अधिक समृद्ध राजा उठ खड़ा हुआ और राष्ट्रपति के पद के लिए प्रत्याशी बनने का अपना अभिप्राय घोषित किया। उस घोषणा ने ग्रेशिया के राज्य के रूप में निरूपित अजगर-मनस्क वैश्विकतावादियों को क्रुद्ध कर दिया।

प्रकाशितवाक्य अध्याय 11, पद 11 ने 31 दिसम्बर, 2023 को उस समय के रूप में चिन्हित किया जब वे दो साक्षी पुनरुत्थित हुए। 18 जुलाई, 2020 से 31 दिसम्बर, 2023 तक की अवधि को तब एक भविष्यवाणी-संबंधी ‘मरुस्थल’ समझा गया। ‘मरुस्थल की अवधि’ के अंत में, जुलाई 2023 में एक वाणी पुकार उठी, और फिर नैशविल की 18 जुलाई, 2020 की असफल भविष्यवाणी के ठीक एक हज़ार दो सौ साठ दिन बाद, यहूदा के गोत्र का सिंह ने अपने भविष्यवाणी-वचन की मुहरें खोलना प्रारम्भ किया। परमेश्वर के भविष्यवाणी-वचन की मुहरों का खुलना सदैव एक त्रि-चरणीय परीक्षण-प्रक्रिया उत्पन्न करता है, जैसा कि दानिय्येल अध्याय 12 में प्रतिपादित है।

बहुत से लोग शुद्ध किए जाएंगे, और निर्मल बनाए जाएंगे, और परखे जाएंगे; परन्तु दुष्ट लोग दुष्टता ही करते रहेंगे; और दुष्टों में से कोई भी न समझेगा; परन्तु बुद्धिमान समझेंगे। दानिय्येल 12:10.

प्रकाशितवाक्य 19 में दुल्हन अपने आप को तैयार करती है, और तब उसे श्वेत वस्त्र दिया जाता है। ये श्वेत वस्त्र इस बात का द्योतक हैं कि दुल्हन तैयार है, और यह प्रकाशितवाक्य 19 में तब होता है जब आकाश के झरोखे खुलते हैं।

मसीह की धार्मिकता के वस्त्र से दुल्हन को श्वेत बनाए जाने से पूर्व, उसका शुद्धिकरण किया जाता है।

31 दिसंबर, 2023 को, नीवों की परीक्षा आरम्भ हुई, ताकि जो शुद्ध होने वाले थे वे शुद्ध किए जाएँ। वह शुद्धिकरण ज्ञान की वृद्धि के द्वारा संपन्न होता है, क्योंकि यहूदा के गोत्र का सिंह ने तब अपने विषय में अंतिम प्रकाशन की मुहर खोलना आरम्भ किया। उस प्रकाशन में यह सम्मिलित है कि वही वह एकमात्र नीव है जिसे डाला जा सकता है। उस मूलभूत सत्य को अस्वीकार करना जो यह पहचान कराता है कि रोम "तेरे लोगों के लुटेरे" हैं, उसी एकमात्र नीव को अस्वीकार करना है जिसे डाला जा सकता है।

31 दिसंबर, 2023 को एक परीक्षण-प्रक्रिया का आरम्भ हुआ, जिसने तुरंत ही दो वर्गों का पृथक्करण उत्पन्न किया। यहूदा के गोत्र का सिंह ने अब मुहर खोलकर यह प्रकट किया है कि चौदहवें पद की ऐतिहासिक पूर्ति 8 मई, 2025 को घटित हुई, और ऐसा करते हुए उसने मिलर द्वारा रोम की उस पहचान की पुष्टि की कि वह प्रतीक है जो भविष्यवाणी के बाह्य दर्शन की स्थापना करता है। 2024 में जब ट्रम्प लौटे, तब उन्होंने दानियेल अध्याय ग्यारह के तेरहवें पद की पूर्ति की; फिर अगले पद में, पोप लियो के निर्वाचन के साथ, हम 2025 को चिह्नित करते हैं। ट्रम्प और उनके विरोधी-मसीह समकक्ष, दोनों का पदग्रहण 2025 में हुआ।

इस आंदोलन में जिन तिथियों को हम चिह्नित करते हैं, वे मूलतः पवित्रीकृत पञ्चदृष्टि हैं। हम 'अन्त का समय' को 1989 के रूप में चिह्नित करते हैं; फिर 1996 में संदेश का औपचारिकीकरण हुआ। 9/11 के समय उस औपचारिकीकृत संदेश को सामर्थ्य प्रदान किया गया। 2012 में और जनवरी 2013 में समाप्त हुए हबक्कुक की पट्टिकाओं के प्रस्तुतीकरण में आधारशिलाएँ रखी गईं।

18 जुलाई, 2020 को प्रथम निराशा आ पहुँची, तत्पश्चात् जुलाई 2023 में मरुभूमि में एक वाणी पुकारने लगी, और 31 दिसंबर, 2023 को यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य का मुद्राभंग आरम्भ हुआ और प्रथम बाह्य आधारभूत परीक्षण आरम्भ हुआ।

8 मई 2025 को द्वितीय आंतरिक मंदिर-परीक्षा आरंभ हुई। तृतीय लिटमस-परीक्षण अब निकट ही है। वहाँ यह प्रकट होगा कि आत्मा के पास वह तेल है या नहीं जो पहली, अर्थात् बाह्य, परीक्षा द्वारा निरूपित संदेश का है, और साथ ही दूसरी, आंतरिक परीक्षा से संबद्ध तेल भी है या नहीं। यह परीक्षण बाह्य के बाद आंतरिक, और उसके बाद अनुभव का प्रतिनिधित्व करता है।

भविष्यवाणी की आंतरिक रेखा उन्हीं पूर्ववर्ती मार्गचिह्नों से बनी है जिनका मैंने अभी उल्लेख किया है। उन प्रत्येक मार्गचिह्नों का मिलेराइट इतिहास के समान मार्गचिह्नों के साथ संरेखण होता है। अंत के समय के रूप में 1798, 1989—जो भी अंत का समय है—से मेल खाता है। वहाँ यहूदा के गोत्र के सिंह ने अपने वचन की मुहर खोली, क्योंकि वही वचन है। जब एडवेंटिज़्म ने यारोबाम के आधारभूत विद्रोह के प्रसंग में, बेतएल के झूठे भविष्यद्वक्ता के पास लौटकर उसके साथ भोजन करके, उस अवज्ञाकारी भविष्यद्वक्ता की भूमिका पूरी की, तब वे पतित प्रोटेस्टैंटवाद के उन तर्कों पर लौट आए जो विलियम मिलर द्वारा "सात समय" की पहचान के विरुद्ध प्रयुक्त किए गए थे। इसी कारण वे, यदि कुछ भी समझते हों तो भी, यह बात पूर्णतः नहीं समझते कि 1863 प्रथम और द्वितीय स्वर्गदूतों के अल्फा आंदोलन का अंतिम मार्गचिह्न क्यों है।

इसी कारण, उनके लिए यह तथ्य कोई महत्त्व नहीं रखता कि यह अवधि 126 वर्षों की है, जो 1,260 का एक प्रतीक है, और 1863 से लेकर 1989 में अन्त के समय तक के इतिहास को व्यापने वाले "अरण्य" का प्रतीक है। चालीस वर्षों के अन्त में यहोशू ने उस आन्दोलन का नेतृत्व करते हुए उसे प्रतिज्ञात देश में प्रवेश कराया। 1989 में प्रभु ने अपने ओमेगा आन्दोलन को 1863 से 1989 तक के "अरण्य" से बाहर निकालने के कार्य का आरम्भ किया, जैसे उसने 538 से 1798 तक के "अरण्य" से अल्फा आन्दोलन को बाहर निकाला था।

1989 में, दानियेल की पुस्तक के अंतिम तीन अध्यायों का प्रतिनिधित्व करने वाले हिड्डेकेल नदी के दर्शन की मुहर खोली गई, ठीक वैसे ही जैसे दानियेल के अध्याय 7, 8 और 9 का प्रतिनिधित्व करने वाले उलाई नदी के दर्शन की

मुहर 1798 में खोली गई थी। किंग जेम्स बाइबल के प्रकाशन के दो सौ बीस वर्ष बाद, विलियम मिलर ने उलाई के दर्शन पर आधारित अपना संदेश पहली बार प्रकाशित किया, और इस प्रकार 1831 में अपने संदेश को औपचारिक रूप दिया; उसी प्रकार हिडेकेल का संदेश 1996 में पहली बार प्रकाशित हुआ, 1776 के दो सौ बीस वर्ष बाद—वह वर्ष जो संयुक्त राज्य अमेरिका की गौरवशाली भूमि का जन्मस्थल है।

किंग जेम्स संस्करण के दो सौ बीस वर्ष बाद, संदेश के मिलर-प्रदत्त औपचारिक प्रतिपादन ने विलियम मिलर की पहचान इस रूप में की कि वे बाइबल की भविष्यवाणियों—पुराने और नये नियम दोनों की—का उपयोग करके जागृति और सुधार लाने वाले सर्वप्रथम पवित्र संदेशवाहक थे। बाइबल दिव्य है, और उसने दो सौ बीस वर्ष पश्चात मानव के साथ संयुक्त होकर उलाई का संदेश उत्पन्न किया।

यीशु अल्फा और ओमेगा हैं, और वे परमेश्वर का वचन हैं; अतः बाइबल के किंग जेम्स संस्करण का 1611 में प्रकाशन, यीशु को सन् 1611 में, और साथ ही सन् 1831 में भी, स्थापित करता है। अंत के समय मसीह यहूदा के गोत्र का सिंह बनकर प्रकट होते हैं; और जब संदेश औपचारिक किया जाता है, तब वे अल्फा और ओमेगा तथा वचन हैं। प्रारंभ के साथ मिलर का संबंध इस रूप में पहचाना जाता है कि प्रारंभ और अंत—दोनों—संदेश के प्रकाशन पर बल देते हैं। 1776 से 1996 तक का काल भी, यद्यपि भिन्न, वही विशेषताएँ वहन करता है।

हिडेकेल का संदेश, दानिय्येल ग्यारह के इकतालीसवें पद में प्रतिपादित के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून का ही संदेश है। 1776 तथा स्वतंत्रता की उद्घोषणा के प्रकाशन ने उस दो सौ बीस-वर्षीय अवधि का आरम्भ-बिंदु निरूपित किया, जिसका समापन 'Time of the End' शीर्षक वाले एक प्रकाशन के साथ हुआ—जिसे जान-बूझकर नहीं, वरन् दैवी व्यवस्था से यह शीर्षक मिला। उसी वर्ष, 1996 में, 'Future for America' नामक एक सेवा-निगम हमें प्रदान किया गया। मनोरम देश—अर्थात् संयुक्त राज्य अमेरिका—का संदेश, भविष्यवाणी के आरम्भ और समापन के बीच प्रत्यक्ष संबंध के साथ औपचारिक रूप से स्थापित किया गया। मिलेराइट इतिहास के प्रत्येक प्रमुख मील के पत्थर की पुनरावृत्ति, दस कुँवारियों के दृष्टान्त की मार्गदर्शक प्रतिरूप के अधीन हुई है। दोनों दो सौ बीस-वर्षीय अवधियों के आरम्भ और समापन किसी प्रकाशन द्वारा चिह्नित हैं।

मिलर के संदेश और पद्धति की पुष्टि हुई, और उन्हें सामर्थ्य दूसरी 'हाय' से सम्बद्ध इस्लाम में हुई एक पूर्ति के द्वारा प्रदान किया गया। संदेश को सामर्थ्य देने के लिए प्रभु ने जिस साधन का प्रयोग किया, वह था मिलर का 'एक दिन एक वर्ष' सिद्धान्त; और 9/11 पर संदेश और पद्धति को सामर्थ्य देने वाला सिद्धान्त उस घटना से सम्बद्ध था जब प्रकाशितवाक्य अठारह का स्वर्गदूत उतरा और उसने 11 अगस्त, 1840 को किया गया अपना अवतरण—जिसका निरूपण प्रकाशितवाक्य अध्याय दस में है—पुनः दोहराया। वे दोनों स्वर्गदूत, स्वर्गदूत के रूप में मसीह के भविष्यसूचक आविर्भाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। जो सिद्धान्त 9/11 के आंदोलन के लिए उतना ही बुनियादी है जितना 11 अगस्त, 1840 के आंदोलन के लिए 'एक दिन एक वर्ष' का सिद्धान्त था, वह यह है कि मिलेराइट इतिहास, एक लाख चवालीस हज़ार के इतिहास में पुनरावृत्त होता है।

जब तीसरी हाय से संबंधित इस्लाम की एक भविष्यवाणी की पूर्ति ओमेगा और तीसरे स्वर्गदूत के इतिहास में आ पहुँची, और वह उन पूर्तियों के साथ सामंजस्य में थी जो पहली और दूसरी हाय से संबंधित इस्लाम की भविष्यवाणियों की पूर्तियाँ होकर अल्फा—प्रथम और द्वितीय—स्वर्गदूतों के इतिहास में आ पहुँची थीं, तब यह सिद्धान्त कि मिलेराइट इतिहास एक लाख चवालीस हज़ार के इतिहास में दोहराया जाता है, उतनी ही सुदृढ़ता से पुष्ट हुआ जितनी सुदृढ़ता से प्रकाशितवाक्य नौ की पहली और दूसरी हाय के संबंध में मिलर का "एक दिन एक वर्ष" का सिद्धान्त पुष्ट हुआ था। प्रकाशितवाक्य 9:15 में प्रतिपादित तीन सौ इक्यानवे वर्ष और पंद्रह दिनों की समय-भविष्यवाणी से परिचित कुछ लोग मेरी पूर्ववर्ती बात को शायद चूक जाएँ। मैं स्पष्ट करता हूँ।

पहली और दूसरी हाय, पहले और दूसरे स्वर्गदूत के इतिहास के अनुरूप हैं, और तीसरी हाय का इतिहास, तीसरे स्वर्गदूत के इतिहास के अनुरूप है। यहाँ तात्पर्य यह है कि दूसरी हाय के इतिहास में निर्धारित 391 वर्ष और 15 दिनों की अवधि का आरंभ-बिंदु पहली हाय के इतिहास में पाया जाता है। प्रकाशितवाक्य के नौवें अध्याय की पहली हाय

के इतिहास में 150 वर्ष की एक भविष्यवाणी है, और जिस दिन वह भविष्यवाणी-काल समाप्त होता है, उसी दिन 391 वर्ष और 15 दिनों की भविष्यवाणी आरंभ होती है। ये दोनों भविष्यवाणियाँ पहली और दूसरी हाय को प्रत्यक्षतः जोड़ती हैं; अतः जब दिन-वर्ष सिद्धांत पर आधारित इस्लाम के विषय में एक भविष्यवाणी की गई, तो वह भविष्यवाणी इस्लाम की पहली और दूसरी हाय की ही भविष्यवाणी थी, जो पहले और दूसरे स्वर्गदूत के इतिहास में मिलर की पद्धति और संदेश की पुष्टि करने वाला संदेश था।

जब वह इतिहास 22 अक्टूबर, 1844 को समाप्त हुआ, तब सातवीं तुरही ध्वनित होने लगी; और सातवीं तुरही ही एक साथ तीसरा 'हाय' भी है, तथा भक्ति का भेद भी—अर्थात् तुम में मसीह, जो महिमा की आशा है। वह तुरही एक बाह्य चेतावनी-संदेश है और एक आंतरिक चेतावनी-संदेश भी है। इसी कारण 2,520-वर्ष की भविष्यवाणी भूमि के लिए सातवें वर्ष के विश्राम से सम्बद्ध है, जिसमें यौबेल भी शामिल है। 22 अक्टूबर, 1844 को सातवीं तुरही 2,520-वर्ष और 2,300-वर्ष की भविष्यवाणियों की पूर्ति में ध्वनित होने लगी।

परन्तु सातवें स्वर्गदूत की आवाज़ के दिनों में, जब वह तुरही फूँकना आरंभ करेगा, तब परमेश्वर का भेद पूरा हो जाएगा, जैसा कि उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को घोषित किया था। प्रकाशितवाक्य 10:7.

22 अक्टूबर, 1844 प्रायश्चित्त का दिन था, और प्रायश्चित्त के दिन जुबिली की तुरही फूँकी जानी थी। तब से हम तीसरे स्वर्गदूत के इतिहास में, और साथ ही तीसरे हाय, जो कि सातवीं तुरही है, के इतिहास में जी रहे हैं। 11 अगस्त, 1840 को प्रकाशितवाक्य अध्याय दस का शक्तिशाली स्वर्गदूत अपनी महिमा से पृथ्वी को आलोकित करने के लिए उतरा, जैसा कि 9/11 को प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह के स्वर्गदूत ने किया।

2012 से लेकर 2013 के जनवरी तक, 'हबक्कूक की पट्टिकाएँ' शीर्षक वाली श्रृंखला निर्मित की गई, और वह मई 1842 में 1843 के अग्रणी चार्ट के प्रकाशन के साथ संरेखित थी। तब आंदोलन की नींव रखी गई—चाहे वह प्रथम और द्वितीय स्वर्गदूतों का अल्फा-आंदोलन हो, या तृतीय स्वर्गदूत का आंदोलन; हबक्कूक की दो पट्टिकाएँ उस इतिहास और संदेश में बुनी गईं। 18 जुलाई, 2020 की असफल भविष्यवाणी 19 अप्रैल, 1844 के समानान्तर थी, और दृष्टान्त में विलंब का समय आरम्भ हो गया था।

1,260 दिनों का वनवास 31 दिसंबर, 2023 को मुहर खुलने के साथ समाप्त हुआ। यह स्मरण रखना उचित है कि मसीह ने, जैसा कि सिस्टर व्हाइट उसे 'धर्मनिन्दात्मक अपवित्रीकरण' कहती हैं, अपने मंदिर को उस अपवित्रीकरण से दो बार शुद्ध किया। उन्होंने यह अपनी सेवकाई के आरंभ में और उसके समापन पर किया, और इस प्रकार उन दोनों शुद्धियों को एक 'अल्फा' और एक 'ओमेगा' शुद्धिकरण बना दिया।

सिस्टर वाइट स्पष्ट रूप से पहली मंदिर-शुद्धि को 9/11 और पहली वाणी के साथ सम्बद्ध करती हैं, जिसकी वह पहचान प्रकाशितवाक्य अध्याय 18 के पहले तीन पदों के रूप में करती हैं। इसके बाद वह पद चार की "अन्य वाणी" को दूसरी मंदिर-शुद्धि तथा रविवार के कानून के रूप में चिन्हित करती हैं। मिलराइटों के लिए 19 अप्रैल, 1844 पहली मंदिर-शुद्धि थी और 22 अक्टूबर, 1844 दूसरी। 1798 से 1844 तक के छियालिस वर्षों में मिलराइट मंदिर का निर्माण हुआ, और मिलराइट मंदिर-निर्माण का एक फ़ैक्टल उन दो निराशाओं के इतिहास में मिलता है, जो दोनों ही मंदिर-शुद्धियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। वह इतिहास मंदिर के विषय में है।

18 जुलाई, 2020 से 31 दिसंबर, 2023 तक, विलंब-काल में कुँवारी कन्याएँ सोई रहीं। जब वे जागेंगी, तो वे नींव रखने और मंदिर को उठाने के अपने उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक होंगी। तब से मसीह, यहूदा के गोत्र के सिंह के रूप में, भविष्यवाणी के प्रकाश को अनमुद्रित कर रहे हैं, और अनमुद्रित किया गया यह भविष्यवाणी-संबंधी प्रकाश सदा एक त्रि-चरणीय परीक्षात्मक प्रक्रिया उत्पन्न करता है, जो लिटमस-परीक्षण पर समाप्त होती है; जहाँ चरित्र प्रकट तो होता है, परन्तु कभी विकसित नहीं होता। लिटमस-परीक्षण पर, विश्वासी कुँवारी कन्याओं को पवित्र आत्मा का ऐसा उंडेला जाना प्राप्त होगा जो परमेश्वर के लोगों के मध्य परमेश्वर की सामर्थ्य के अब तक अभिलेखित हर प्रकटन से बढ़कर होगा। ऐसी ज्योति-वृद्धि होगी जिसका अब तक कभी दर्शन नहीं हुआ। यह कहते हुए, मैं एक अन्य

ऐतिहासिक रेखा प्रस्तुत करूँगा, जो मिलराइट इतिहास और एक लाख चवालीस हज़ार के इतिहास के बीच विद्यमान समांतरता का समर्थन करती है।

परन्तु तू, हे दानिय्येल, इन वचनों को बन्द कर दे, और इस पुस्तक पर अन्तकाल तक मुहर लगा दे; बहुत से लोग इधर-उधर फिरेंगे, और ज्ञान बढ़ेगा। और उसने कहा, हे दानिय्येल, अपने मार्ग पर चला जा; क्योंकि ये वचन अन्तकाल तक बन्द और मुहरबन्द रखे गए हैं। बहुत से लोग शुद्ध किए जाएँगे, उजले बनाए जाएँगे और परखे जाएँगे; परन्तु दुष्ट दुष्टता ही करेंगे, और दुष्टों में से कोई न समझेगा; परन्तु बुद्धिमान समझेंगे। दानिय्येल 12:4, 9, 10।

हम इन बातों को अगले लेख में जारी रखेंगे।

अद्वितीयता

21 फ़रवरी 2026 को एलन मस्क ने यह दावा किया कि "अब हम 'सिंगुलैरिटी' में हैं"।

प्रौद्योगिक सिंगुलैरिटी

प्रौद्योगिक सिंगुलैरिटी (अक्सर केवल "सिंगुलैरिटी" कहलाती है) भविष्य का एक काल्पनिक काल-बिंदु है, जब प्रौद्योगिक प्रगति—मुख्यतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) द्वारा प्रेरित—इतनी तीव्र और शक्तिशाली हो जाती है कि वह मानवीय नियंत्रण और बोध से परे गति पकड़ लेती है, और मानव सभ्यता में अप्रत्याशित तथा गहन रूपांतरणों का कारण बनती है। मूल अवधारणा "बुद्धि-विस्फोट" की है: जैसे ही हम ऐसा AI तंत्र निर्मित करते हैं जो सर्वाधिक बुद्धिमान मनुष्यों से भी अधिक बुद्धिमान हो (जिसे प्रायः कृत्रिम अतिबुद्धिमत्ता, Artificial Superintelligence, ASI कहा जाता है), वह तंत्र स्वयं का पुनर्चना और उन्नयन ऐसी तीव्रता से कर सकता है जो किसी भी मानवीय दल द्वारा कभी संभव न थी। यह एक आवर्ती आत्म-सुधार चक्र उत्पन्न करता है, जिसमें क्षमता अत्यल्प काल में बार-बार दोगुनी होती जाती है (दिनों से घंटों से मिनटों तक), जिससे आगे का विकास विस्फोटक हो उठता है और "सिंगुलैरिटी-पूर्व" मनुष्यों के लिए उसका सार्थक रूप से पूर्वानुमान लगाना या उसे दिशा देना असंभव हो जाता है। "सिंगुलैरिटी" शब्द भौतिकी और गणित से उधार लिया गया है, जहाँ "कृष्ण विवर" में सिंगुलैरिटी वह बिंदु है जहाँ गुरुत्वाकर्षण अनंत हो जाता है और भौतिकी के हमारे वर्तमान नियम विफल पड़ जाते हैं—हम "घटना क्षितिज" के पार क्या होता है, न देख सकते हैं और न उसका पूर्वानुमान कर सकते हैं।

इसी प्रकार, प्रौद्योगिकीय विलक्षणता को इतिहास में एक "घटना क्षितिज" के रूप में देखा जाता है: हम उस बिंदु तक प्रवृत्तियों का पूर्वानुमान कर सकते हैं, परंतु उसके परे भविष्य असंवर्धित मानव मस्तिष्कों के लिए अपारदर्शी हो जाता है।

संक्षिप्त इतिहास तथा प्रमुख चिंतक

1950 का दशक—प्रारम्भिक बीज गणितज्ञ जॉन वॉन न्यूमन के कार्य में प्रकट हुए (जिन्होंने प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के तीव्रित होने का उल्लेख किया) तथा गणितज्ञ एवं गुप्तलेखविद् आई. जे. गुड के कार्य में भी (जिन्होंने 1965 में 'बुद्धिमत्ता-विस्फोट' का वर्णन किया—एक बार जब यंत्र बेहतर यंत्रों का अभिकल्पन करने लगेंगे)।

1993—कंप्यूटर वैज्ञानिक और विज्ञान-कथा लेखक वर्नॉर विंज ने अपने निबंध "The Coming Technological Singularity" में इस आधुनिक अवधारणा को लोकप्रिय बनाया। उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2005 से 2030 के बीच किसी समय हम अतिमानवीय बुद्धिमत्ता का सृजन करेंगे, जिसके पश्चात "मानव युग" समाप्त हो जाएगा (इस अर्थ में कि बिना सहारे के मनुष्य अब प्रधान बुद्धिमत्ता नहीं रहेंगे)।

2005—आविष्कारक/भविष्यवेत्ता रे कुर्ज्वेल ने अपनी पुस्तक "The Singularity Is Near" के माध्यम से इस विचार को मुख्यधारा के ध्यान में लाया। वे प्रतिपादित करते हैं कि सिंगुलैरिटी सन् 2045 के आसपास आएगी, जो

संगणन-शक्ति में घातीय वृद्धि (उनके "Law of Accelerating Returns" के अनुसार), नैनोप्रौद्योगिकी, जैवप्रौद्योगिकी और मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस द्वारा संचालित होगी। वे निरंतर इस समयरेखा पर कायम रहे हैं, और हाल ही में AGI 2029 तथा सिंगुलैरिटी लगभग 2045 की पुनर्पुष्टि की है।

समयरेखा संबंधी पूर्वानुमान (सन् 2026 के प्रारंभ तक)

पिछले कुछ वर्षों में, बड़े भाषा मॉडलों, तर्क-प्रणालियों और स्केलिंग नियमों में अत्यंत तीव्र प्रगति के कारण पूर्वानुमानों की समय-सीमाएँ उल्लेखनीय रूप से सिमट गई हैं: सबसे आक्रामक/निकट-कालिक दृष्टिकोण (2026-2027): कुछ प्रमुख एआई नेता (उदा., एंथ्रोपिक के डारियो अमोडेई, एलन मस्क) ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि सुपरइंटेलिजेंस, अथवा ऐसा कुछ जो कार्यात्मक रूप से प्रौद्योगिक एकत्व के उद्दीपक के समकक्ष हो, 2026 जितने शीघ्र या 1-3 वर्षों के भीतर आ सकता है।

विभिन्न विशेषज्ञ सर्वेक्षणों की माधिकाएँ पूर्ण सुपरइंटेलिजेंस/सिंगुलैरिटी के लिए अब भी 2040-2050 के आसपास केंद्रित हैं।

संभावित परिणामों के दो खेमे

यूटोपियाई/आशावादी -> चरम प्रचुरता, रोग और गरीबी का उन्मूलन, मस्तिष्क-अपलोडिंग या नैरोचिकित्सा के माध्यम से व्यावहारिक अमरत्व, मानवता का कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ विलय (ट्रांसह्यूमनिज़्म), पहले से असमाधेय वैज्ञानिक समस्याओं का मिनटों में समाधान।

डिस्टोपियन/निराशावादी -> मानवीय अभिकर्तृत्व/नियंत्रण की हानि, असंगति (कृत्रिम बुद्धिमत्ता ऐसे लक्ष्यों का अनुसरण करती है जो मानवीय मूल्यों से असंबद्ध या उनके प्रति शत्रुतापूर्ण हों), आर्थिक और सामाजिक पतन, तथा यहाँ तक कि मानवता के लिए अस्तित्वगत जोखिम।

सिंगुलैरिटी केवल "अत्यंत उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता" नहीं है; यह वह क्षण है जब प्रौद्योगिकीय उत्क्रांति जैविक अथवा मानवीय गति-सीमाओं से मुक्त होकर एक स्वायत्त, अनियंत्रित प्रक्रिया बन जाती है। चाहे यह 2026, 2030, 2045 में घटित हो, या कभी भी न हो, वर्तमान समय में यह मानव इतिहास के संदर्भ में सबसे दूरगामी परिणामों वाले अनुत्तरित प्रश्नों में से एक बना हुआ है।

अन्त का समय - 1989

संजालबद्ध विश्व का प्रारंभ

विसंलग्न संगणन से संबद्ध संगणन की ओर संक्रमण। टिम बर्नर्स-ली ने 1989 में CERN में वर्ल्ड वाइड वेब का प्रस्ताव रखा। वाणिज्यिक न्यूरल नेटवर्क अनुसंधान (सैन्य तथा शैक्षणिक उपयोग) का विस्तार हुआ; Intel 80486 का विमोचन हुआ—व्यक्तिगत संगणन-शक्ति में उछाल आया; ARPANET का रूपांतरण उस दिशा में हुआ जो आगे चलकर आधुनिक इंटरनेट बनी। इससे पूर्व, संगणन शक्तिशाली तो था, परंतु मुख्यतः अलग-थलग खॉचों में सीमित था। 1989 के पश्चात, संगणन संजाल-केन्द्रित हो गया। 1989 में न्यूरल नेटवर्क आरंभिक अवस्था में थे, हार्डवेयर-सीमित थे, और प्रायः नियम-संवर्धित प्रतिरूप प्रणालियाँ थे—परंतु सैन्य और अनुसंधान प्रयोगशालाएँ लक्ष्य-साधन, मार्गदर्शन, और संकेत-वर्गीकरण के लिए अधिगम-प्रणालियों का परीक्षण पहले ही कर रही थीं। यह आगे आने वाली समस्त प्रगति के लिए आधारभूत परत सिद्ध हुई।

औपचारिकीकृत संदेश - 1996

इंटरनेट का वाणिज्यिक विस्फोट

वेब सार्वजनिक, वाणिज्यिक और वैश्विक बन जाता है। Netscape और ब्राउज़र-युद्ध उभरते हैं; Amazon और eBay यह प्रमाणित करते हैं कि ऑनलाइन वाणिज्य व्यवहार्य है। Google की स्थापना (1996 में Stanford में BackRub के रूप में), और Windows 95 की व्यापक स्वीकार्यता उपभोक्ता संगणन को त्वरित करती है। 1996 वह वर्ष है जब इंटरनेट अकादमिक क्षेत्र से निकलकर आर्थिक बन जाता है। 1989 से विकसित अवसंरचना अब उपभोक्ता-स्तरीय पैमाने पर पहुँच जाती है। डॉट-कॉम युग वेबसाइटों के बारे में नहीं है; यह व्यवसाय के डिजिटलीकरण के बारे में है। इस काल ने वाणिज्य, विज्ञापन, सूचना की खोज और संचार के प्रतिरूपों को बदल दिया।

सामर्थ्यप्राप्त संदेश - 9/11, 2001

मोबाइल + प्लेटफ़ॉर्म युग का आरम्भ

मीडिया का डिजिटलीकरण + प्रारंभिक क्लाउड अवसंरचना + सदैव-सक्रिय ब्रॉडबैंड। Apple ने iPod जारी किया (वहनीय डिजिटल पारितंत्र का आरंभ), Wikipedia का शुभारंभ हुआ (सामूहिक ज्ञान प्लेटफ़ॉर्म मॉडल), ब्रॉडबैंड का अपनाव तेज़ी से बढ़ा, Amazon ने चुपचाप उस अवसंरचना का निर्माण शुरू किया जो आगे चलकर AWS बनी। 9/11 के उपरांत निगरानी प्रौद्योगिकी में अभूतपूर्व वेग आता है, डेटा विश्लेषण की अवसंरचना तीव्रता से विकसित होती है। यहीं क्लाउड कम्प्यूटिंग, प्लेटफ़ॉर्म पारितंत्रों, डिजिटल सामग्री के वर्चस्व और सदैव-संयोजित अवसंरचना की शुरुआत होती है, तथा सोशल मीडिया और स्मार्टफ़ोनों के लिए आधारशिला रखी जाती है।

नींव रखी गई - हबक्यूक की पट्टिकाएँ - 2012, 2013

गहन अधिगम में क्रांतिकारी सफलता

आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जन्म

यही वह निर्णायक क्षण था जब न्यूरल नेटवर्क प्रायोगिक अवस्था से निकलकर व्यावहारिक रूप से शक्तिशाली बन गए—2001 के "प्लेटफ़ॉर्म/क्लाउड" युग और 2023 के "जनरेटिव एआई" विस्फोट के बीच का सटीक सेतु। सितंबर 2012: एलेक्सनेट (एक गहन कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क) भारी अंतर से इमेजनेट प्रतियोगिता जीतता है—अब तक के सभी एल्गोरिथ्मों को निर्णायक रूप से परास्त करते हुए। इस एक घटना को एआई शोध में सर्वस्वीकृत रूप से उस क्षण के रूप में माना जाता है जब आधुनिक डीप लर्निंग का जन्म हुआ। 2012: जेफ्री हिंटन की टीम सिद्ध करती है कि जीपीयू पर प्रशिक्षित गहन न्यूरल नेटवर्क स्वचालित रूप से पदानुक्रमिक विशेषताएँ सीख सकते हैं। 2013: गूगल हिंटन की कंपनी (DNNresearch) का अधिग्रहण करता है। उद्योग जगत अचानक डीप लर्निंग में अरबों डॉलर का निवेश करता है। एनवीडिया की जीपीयू उन्नतियाँ (CUDA) एआई के लिए मानक हार्डवेयर बन जाती हैं। इसके साथ-साथ बिग डेटा उपकरण (स्पार्क 1.0, 2013 में जारी) परिपक्व होते हैं, जिससे डीप लर्निंग के लिए आवश्यक विशाल डेटासेटों का उपयोग संभव हो पाता है।

मुहरों का खोलना - 2023

जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता दहलीज़ पार करती है

एआई सुलभ, उपयोगयोग्य, और आर्थिक रूप से विघटनकारी बन जाता है। केवल "अधिक बेहतर न्यूरल नेट्स" नहीं। यह वह क्षण है जब एआई कोड लिखता है, चित्र उत्पन्न करता है, श्वेतपोश कार्य को स्वचालित करता है, तर्क-संबंधी कार्यों का विस्तार करता है, और पहली बार एआई विशिष्ट बने रहने के बजाय सामान्य-उद्देश्यीय संज्ञानात्मक साधन बन जाता है।

2026 - सिंगुलैरिटी?

- 1989 को स्वयं अंत के समय की मुहर खुलने के रूप में (संजालित संयोजकता का आरंभ, वैश्विक ज्ञान-प्रवाह की आधारशिला; सोवियत संघ (USSR) के पतन से संबद्ध, जो एडवेंटवाद के अंतिम अनुग्रहकाल के लिए मार्गचिह्न है)।
- 1996 को संदेश के औपचारिकीकरण के रूप में (व्यावसायिक वेब सूचना अर्थव्यवस्था का विस्तार करता है, वाणिज्य और खोज का डिजिटलीकरण करता है)।
- 2001: संदेश का सशक्तीकरण (प्लेटफॉर्म, क्लाउड, सदैव-सक्रिय अभिगम सामूहिक, मोबाइल ज्ञान हेतु डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करते हैं)।
- 2012/2013: वास्तविक बुद्धिमत्ता की नींव रखे जाने का काल (गहन अभिगम में हुई क्रांतिकारी प्रगति ने यंत्र-अवबोध को व्यावहारिक और विस्तारणीय बना दिया)।
- मुद्राओं के खुलने के चरमोत्कर्ष के रूप में 2023 (जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता सामान्य-उद्देश्यीय संज्ञान में प्रवेश कर जाती है, जिससे ज्ञान-सृजन और तर्क-विवेचन सुलभ तथा विघटनकारी हो जाते हैं)।

यह प्रगति सुरुचिपूर्ण है: प्रत्येक चरण पूर्ववर्ती पर आधारित होकर संचयी रूप से विकसित होता है, और क्रम संयोजकता -> वाणिज्यीकरण -> पारितंत्र -> बुद्धिमत्ता -> संज्ञान की ओर रूपांतरित होता जाता है।

2012/2013 वह निर्णायक मोड़ है; वह क्षण जब न्यूरल नेटवर्क पदानुक्रमिक, स्वचालित अभिगम में सक्षम सिद्ध हुए (AlexNet/ImageNet में विजय, Hinton के कार्य का प्रमाणित होना, GPU-आधारित स्केलिंग संभव होना), जिसने 2023 के जनरेटिव विस्फोट को अपरिहार्य बना दिया। 2012 के आर्किटेक्चरल परिवर्तन के बिना, ट्रांसफॉर्मर मॉडल (2017) और विशाल-स्तरीय स्केलिंग ChatGPT-स्तरीय सामान्यता उत्पन्न न कर पाते।